Regarding need to make Kaivalyadhama Health and Yoga Research Centre as a National Centre of Excellence- Laid

श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे **(**मावल**) :** मेरे संसदीय क्षेत्र मावल में स्थित कैवल्यधाम आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन योग कला और परम्परा का समन्वय करने के लिए एक विशिष्ट उद्देश्य के साथ स्थापित एक आध्यात्मिक, चिकित्सीय और अनुसंधान केन्द्र है । कैवल्यधाम, लोनावला की वैज्ञानिक योगीय परंपरा एवं इसके राष्ट्रीय योगदान हेतु सदैव समर्पित रहा है और इस कैवल्यधाम की स्थापना वर्ष 1924 में योगाचार्य स्वामी कुवलयानंद जी द्वारा हुई थी । यह संस्था भारत में योग को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत करने वाली प्रथम संस्था है जिसने 'योग मीमांसा' जैसे शोध-पत्र के माध्यम से योग विज्ञान को गंभीर अनुसंधान का विषय बनाया । 1951 में इस संस्थान ने देश का पहला योग कॉलेज एवं 1961 में योगिक चिकित्सालय आरंभ किया । इसके ऐतिहासिक योगदान को संविधान सभा की बहसों में भी वर्ष 1948 में मान्यता मिली थी । आज जब भारत योग को वैश्विक पहचान दिलाने में अग्रसर है, ऐसे संस्थान को केंद्र सरकार द्वारा विशेष सहयोग दिया जाना आवश्यक है । मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि कैवल्यधाम जैसे संस्थानों को योग में उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में सशक्त किया जाए, जिससे भारत की सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक धरोहर को वैश्विक मंच पर सम्मान मिले ।